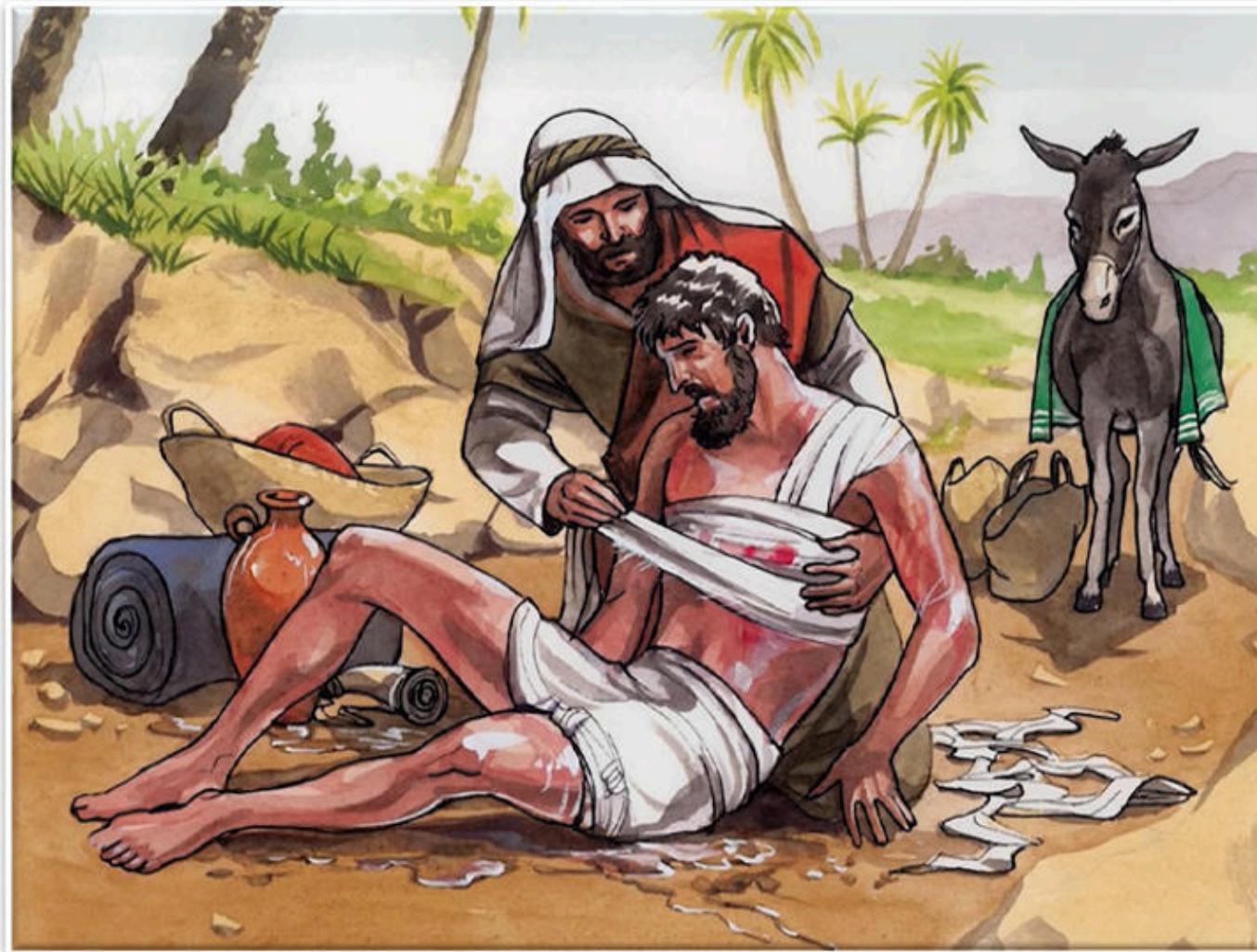


# एक बौद्धिया सामरी





# एक बौद्धिया सामरी

bangani  
uttarkashi, uttrakhand, india



For permission to reuse, contact the copyright holder.

Bangani Language Book  
Red level book

प्रकाशण:-

NLCI  
बंगाणी मसी समिति समू

## दो बात

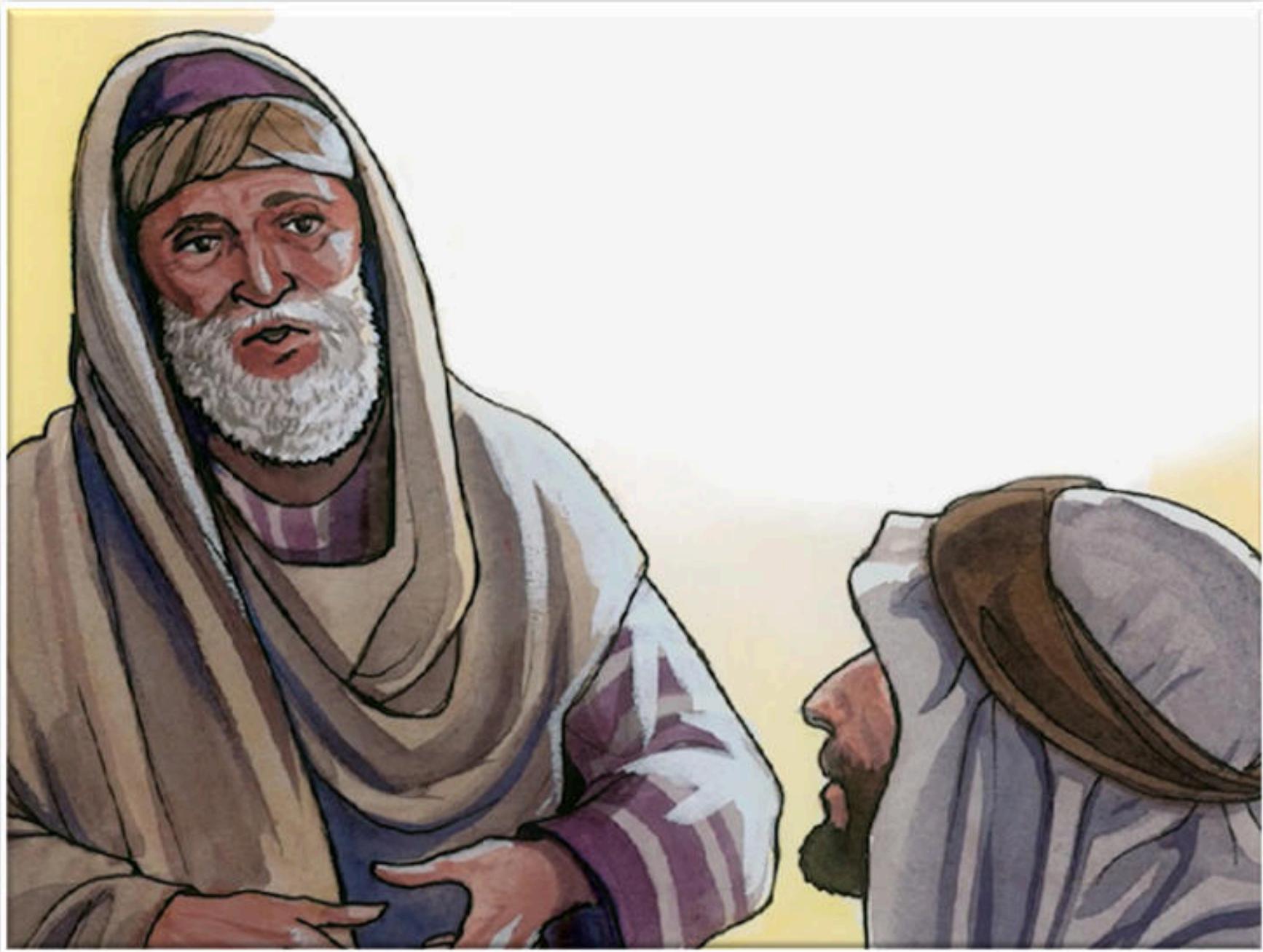
हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें एक अच्छा सामरी किस प्रकार दुसरों की सेवा करता है, उसके बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



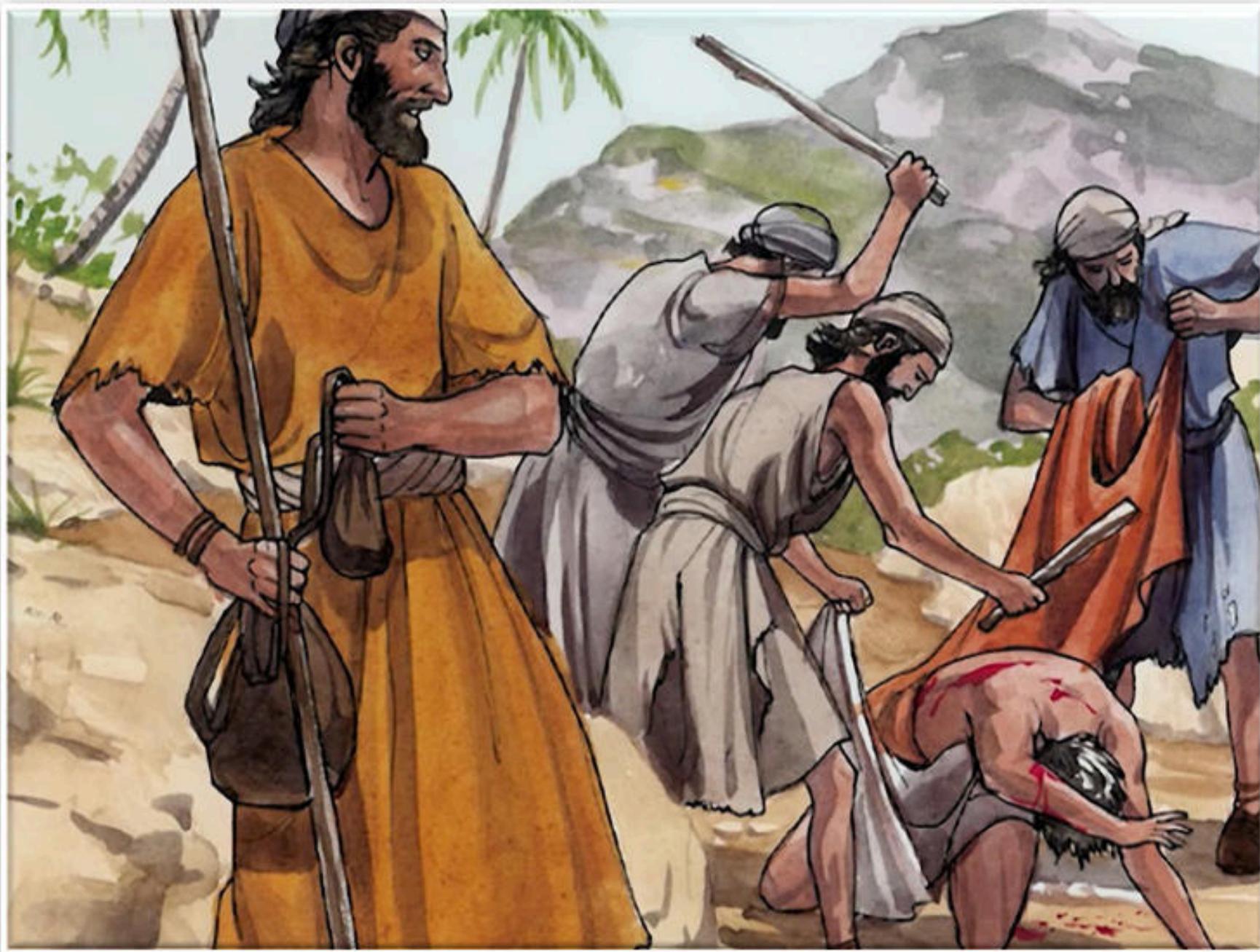
एक बैरे एक माणूष यीशु काइ  
आओ। औजि यीशु रि परीक्षा  
कौरनेखि पुछ्हो। गुरु जी सौदाइं रि  
ज़िन्दगी पाणेखि आऊँ का कौरु।



यीशुइ बोलौ, नियमुँ रि किताबी दि  
का लिखवैन्दौ? तिणी माणूछेइ यीशुइ  
आरि बोलौ। तू इश्वर कौइ सारै जिऊ,  
सारै पराण, सारि शौक्ति, औज़ि सारि  
औकली कौइ प्रेम कौर।



आौजि पड़ोसी कौइ बि आफु बाशी  
प्रेम कौर। यीशुइ तेसारि बोलौ, कि  
ताइं ठीक बोलौ। तू एशौइ कौर एसी  
कौइ तू जिउंदिया राए लौ। तबै तिणी  
यीशु कौइ पुछ्छौ कि मेरा पड़ोसी  
कुण?



यीशुइ तेसकै जौवाब देन्दु वैरे बोलौ।

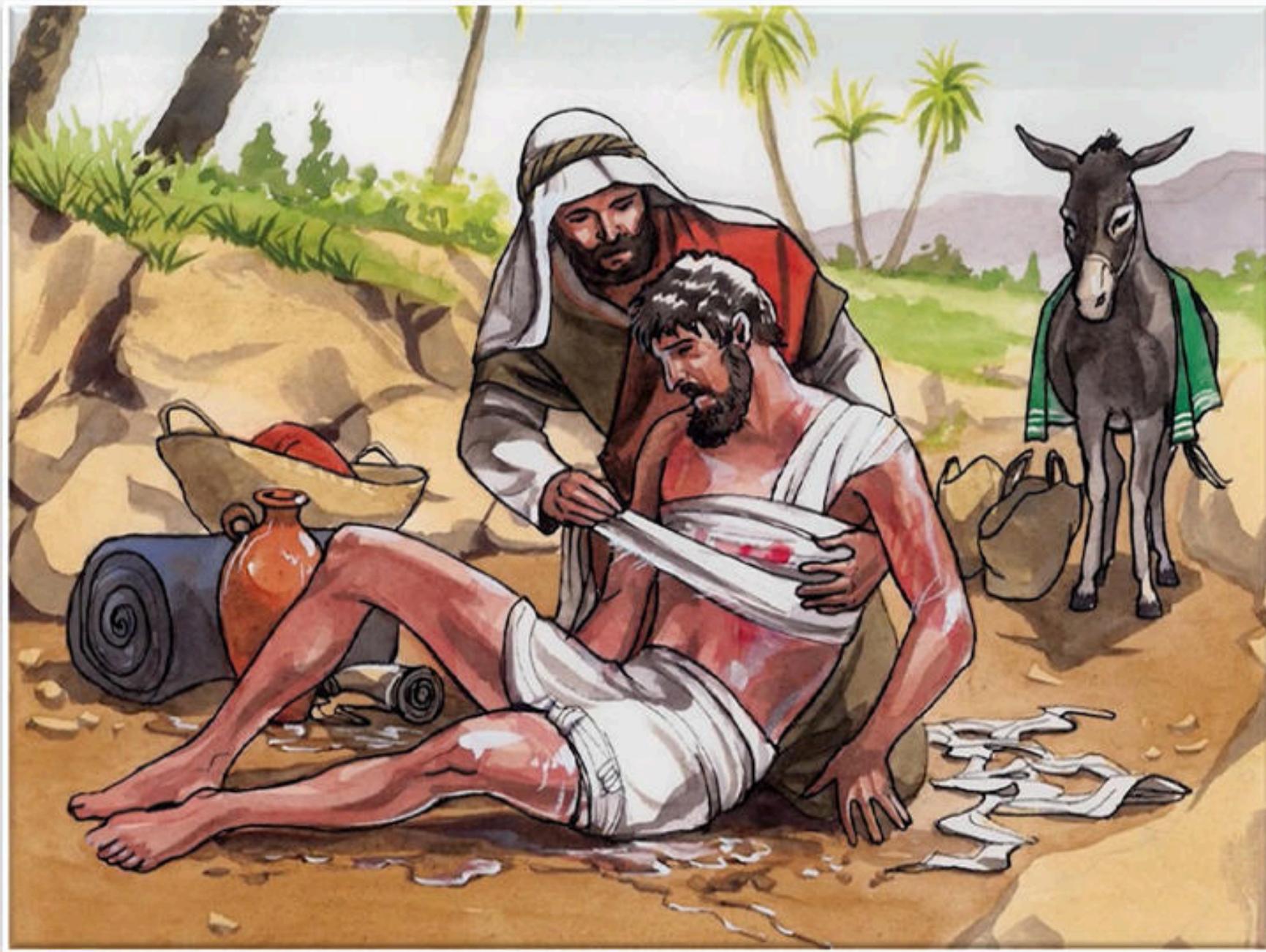
कि एक माणूछ यरुशलम कौइ यरीहो  
खि डैओ। डाकुएइ सेउ पिटियो  
औदमौरो कौरियो तेत्कोइ पोरु डै।



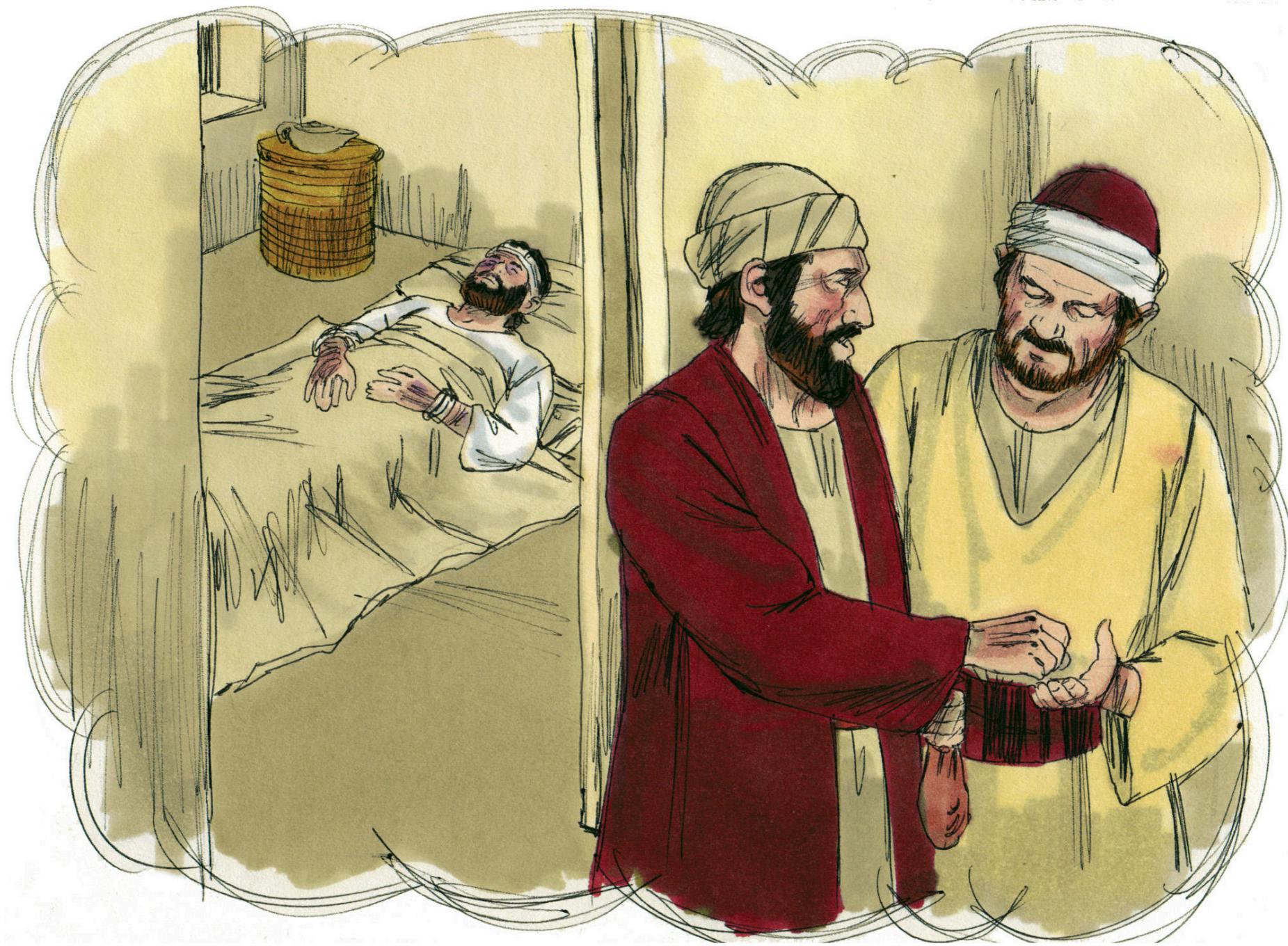
एक याजक सेज़ी बाटेदि डेन्दै रौ थौ  
लागी। याजकेइ सेऊ देखवौ सेउ  
तेतकौइ बाग्दु रौ। तैबै एक लेबी  
सेज़ी बाटे दि आओ।



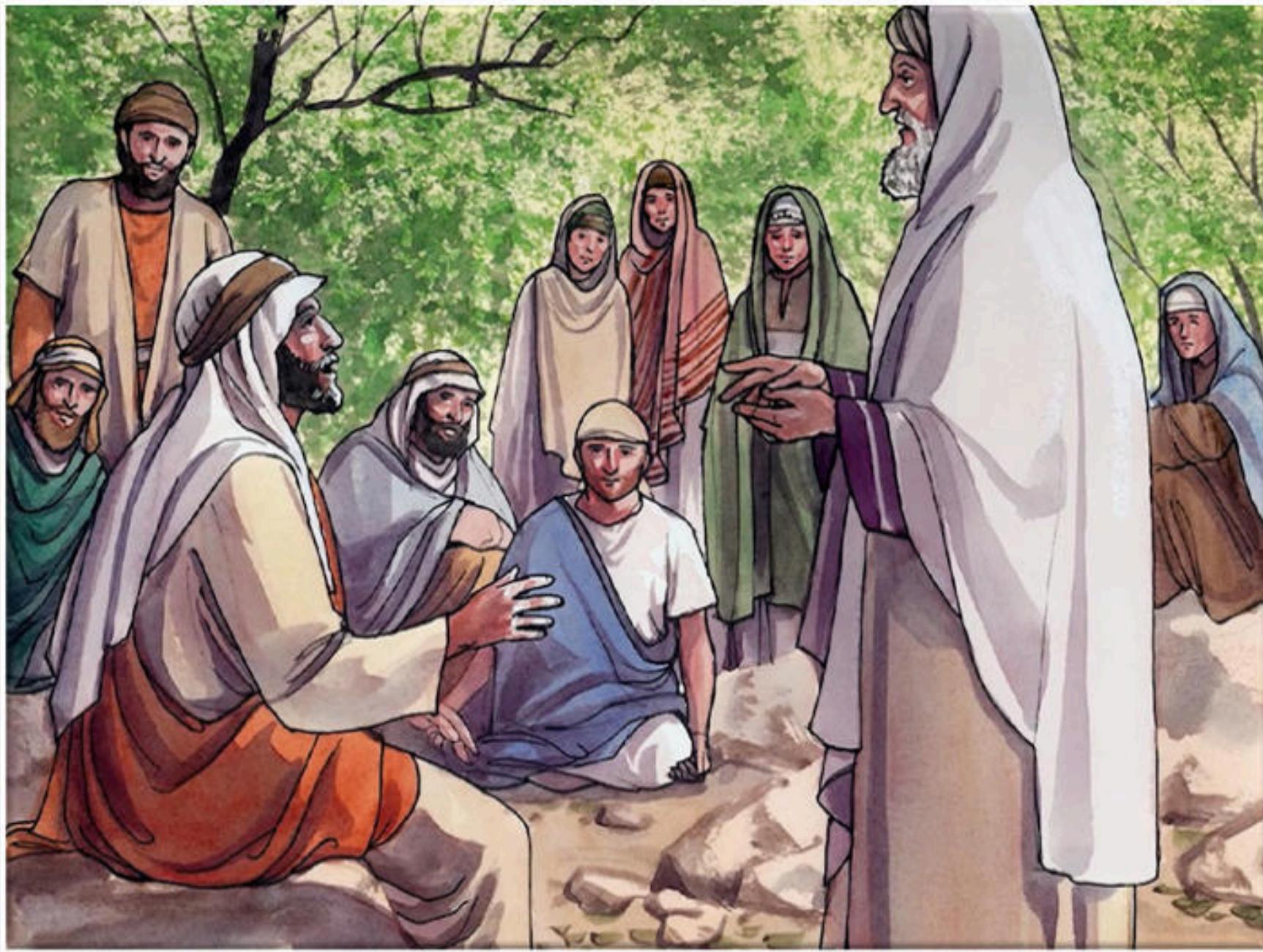
सेउ लेकी वि तेस देखियौ बाग्दु रौ।  
तेत्वासियै एक सामरी माणूछ सेजी  
बाटी डैओ। तिणी सेउ माणूछ देखौ  
तिणी तेसदि दौया कोरी।



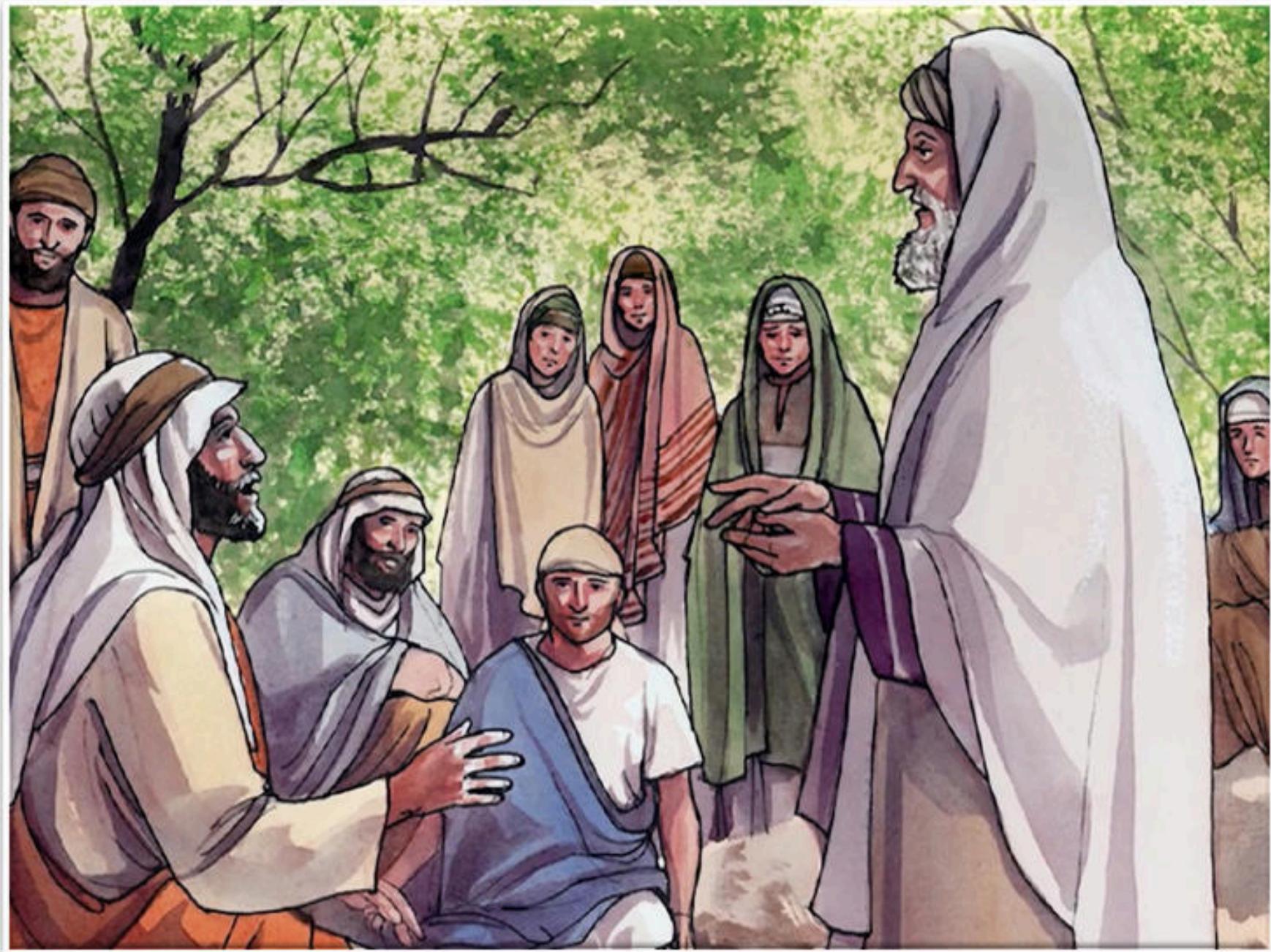
तिणी तेसरै गाऊ साफ कौरियौ तेस्के  
पौटी बानी। तेवै सेउ गादै माइं  
बोशाळियौ औस्पताल दि गिणौ।  
औज़ि सामरिएइ तेसरि सेवा की।



दुजै दुसै सामरिएइ दुइ चाँदी रै सिक्कै  
ओस्पताल रै डॉक्टर कै देणै। तैबै  
सामरिएइ ओस्पताल रै डॉक्टर आरि  
बोलौ की एसरी सेवा कौरै। ओज़ि  
एसरौ ज़ेज़ौ बि खौचौ आए लौ तेस  
आउं वापस आइयौ देऊ।



यीशुइ सेउ परिक्षा नीणै वाळौ माणूछ  
पुछौ। तू बोल कि जेज्जौ माणूछ  
डाकुइ लुटौ थौ। याजक, लेबी औजि  
सामरी, युँ चीन माइं कौइ तेसरौ  
पड़ोसी कुण?



तिणी बोलौं कि सेज़ौ माणूष ज़िणी  
तेसदि दौया की। यीशुइ तेसारि  
बोलौं, डेऊ तू बि एशौइ कौर।

## For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.



यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में व्यस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

,,,,,,,,,धन्यवाद,,,,,,,,,



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.